वार्तालाप-554, निलंगा (महाराष्ट्र), दिनांक 13.04.08
Disc.CD No.554, dated 13.4.08 at Nilanga (Maharashtra)

समयः 00.01-02.02
जिज्ञासुः बाबा, मुरली में बोला है, लौकिक बाप, पारलौकिक बाप और अलौकिक बाप। उसमें लौकिक बाप से एक जन्म का वर्सा मिलता है और पारलौकिक बाप से २१ जन्म का वर्सा मिलता है। और अलौकिक बाप से?
बाबाः अलौकिक बाप, ब्रह्मा से तो कुछ भी वर्सा नहीं मिलता । हाँ, लोक जिसे कहते हैं ये दुनिया। लोक माना? दुनिया। तो लोक में भी हद और बेहद के दो बाप है। एक है जन्म-जन्मान्तर का, अलग-2 जन्मों का अलग-2 बाप, और एक होता है 84 जन्मों की मनुष्य सृष्टि का एक ही बाप। उससे भी बेहद 21 जन्मों का वर्सा नहीं मिलता है। वो बेहद की सृष्टि है, स्वर्ग की सृष्टि। वो वर्सा बेहद का मनुष्य सृष्टि का बाप नहीं दे सकता। कौन सा देता है? (किसी ने कुछ कहा।) नहीं, जो हद की दुनिया है ये कलियुगी, द्वापर युगी; इस सृष्टि में राजाई का वर्सा मिल सकता है, वो भी आधार वही बनेगा 21 जन्म। क्योंकि वो भी बेहद का बाप है, वो मनुष्य सृष्टि का बाप है और वो आत्माओं का बाप है।

Time: 00.01-02.02
Student: Baba, it has been said in the *murli*: the *lokik* father, the *paarlokik* Father[1] and the *alokik* father. Among them we get the inheritance for one birth from the *lokik* father and the inheritance of 21 births from the *paarlokik* Father. And what about the *alokik* father?
Baba: No inheritance is received from the *alokik* father, Brahma. Yes, *lok,* which is called the world; what is meant by *lok*? The world. So, even in the *lok,* there are two fathers, one in a limited sense and another in an unlimited sense. One [kind of fathers] is the different fathers in the different births and the other] is the single father of the human world of 84 births. The unlimited inheritance of the 21 births is not received even from Him. That is an unlimited world, the world of heaven. The father of the human world cannot give that unlimited inheritance. Which [inheritance] does he give? (Someone said something.) No. Someone can receive the inheritance of kingship in this limited world, this Iron Age, Copper Age world; still the basis will be the same 21 births because he is also a father in an unlimited sense; he is the father of the human world and He (i.e. the Father Shiva) is the father of souls.

जिज्ञासुः माना मनुष्य सृष्टि के बाप से कुछ भी नहीं मिलता है वर्सा?
बाबाः मनुष्य सृष्टि के बाप से द्वापर युग से लेकर कलियुग के अंत तक जैसा-2 पुरूषार्थ करेंगे वैसा-2 प्राप्ति करेंगे। क्योंकि वो भी बेहद का बाप है। उस बेहद के बाप में बेहद का रूहानी बाप प्रवेश करता है।

Student: It means, we do not get anything from the father of the human world.
Baba: You will make attainments from the Copper Age to the end of the Iron Age from the father of the human world as per your *purusharth* because he is also an unlimited father. The unlimited spiritual Father enters in that unlimited father.

---
[1] Father from the other world.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

समयः 03.25-04.05

जिज्ञासुः बाबा, 10-12 दिन अगर कहीं सर्विस पर जाते हैं तो खाने के लिए क्या करना है?

बाबाः 12 दिन के लिए सर्विस पर बाहर क्यों जाते है? नजदीक सर्विस नहीं मिलती? कौन सी सर्विस, हद की या बेहद की?

जिज्ञासुः बेहद की।

बाबाः बेहद की सर्विस जाने के लिए बहुत दूर-2 जाने की क्या जरूरत? कोई दूसरा कहेगा कि हम तो विलायत जाकर सर्विस करेंगे। (जिज्ञासु – ठीक है बाबा।) हाँ, नजदीक भी तो सर्विस हो सकती है। जो नजदीक में रहनेवाले है उनको सबको संदेश मिल गया? नहीं मिला ना।

Time: 03.25-04.05
Student: What should we do about food if we go somewhere for service for 10-12 days?
Baba: Why do you go out for service for 12 days? Don't you get service nearby? Which service [are you talking about]? Is it the limited [service] or the unlimited [service]?
Student: The unlimited service.
Baba: What is the need to go very far for the unlimited service? Someone else may say, "I will go abroad to do service". (Student: Alright, Baba.) Yes, service can be done nearby as well. Did all those who are staying nearby, get the message? They did not get, did they?

समयः 04.10-04.45

जिज्ञासुः बाबा आत्मा न स्त्री है, न पुरुष है। फिर किस आधार पर उसको...?

बाबाः आत्मा तो पुरूष है, स्त्री नहीं है। ऐसे नहीं कह सकते है (कि) स्त्री है। आत्मा पुरूष है और ये प्रकृति, ये देह के पांच तत्व ये स्त्री रूप है। जैसे शिव की आत्मा भी पुरूष है और जिस चोले में प्रवेश करती है वो क्या हो गई उसकी? पांच तत्वों का चोला प्रकृति हो गई। आत्मा को स्त्री नहीं कहेंगे।

Time: 04.10-04.45
Student: Baba, a soul is neither female nor male. Then on what is the basis …?
Baba: A soul is male, not female. It cannot be said that it is female. A soul is male (*purush*) and this nature (*prakriti*), these five elements of the body are a female form (*stree roop*). For example, the soul of Shiva is also male and what is its relationship with the body in which it enters? The body made up of the five elements is nature. The soul will not be called female.

समयः 04. 55-05.37

जिज्ञासुः बाबा, बाप समान वानप्रस्थी कैसे बनेंगे?

बाबाः बाप समान वानप्रस्थी? बाप वानप्रस्थी हो गया?

जिज्ञासुः मुरली में आया है ऐसा।

बाबाः मुरली में तो ब्रह्मा के लिए आया है। वो तो शरीर छोड के हो गया। क्या हम भी शरीर छोड दें? ब्रह्मा बाबा के लिए आया है कि उन्होने स्थूल शरीर छोड दिया और वाणी से परे चले

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

गए। तो गुल्जार दादी में आकर गोसे से बोलते है। आवाज़ से तो बोलते नहीं। आवाज से अगर बोलने लग पड़े तो कहेंगे वाणी में आ गया।

Time: 04.55-05.37
Student: Baba, how can we become a *vaanprasthi*[2] like the Father?
Baba: *Vaanprasthi* like the Father? Has the Father become *vaanprasthi*?
Student: It has been mentioned like this in the *murli.*
Baba: It has been mentioned [like this] in the *murli* for Brahma. He became [*vaanprasthi*] by leaving the body. Should we leave our bodies as well? It has been mentioned for Brahma Baba that he left his physical body and went beyond [the stage of] speech. So, he speaks in whispering tone when he comes in the body of Gulzar Dadi. He doesn't speak in a [loud] voice. If he starts speaking in a [loud] voice it will be said that he came to [the stage of] speech (*vaani*).

समयः 05.40-07.38
जिज्ञासुः बाबा, एक माता का प्रश्न है ये हीरे तुल्य त्रिमूर्ति शिवजयंती कब कहेंगे? २०१८ में या ३६ में?
बाबाः त्रिमूर्ति हीरे तुल्य बनती नहीं है क्योंकि त्रिमूर्ति में एक मूर्ति ब्रह्मा की भी है और ब्रह्मा की जो स्टेज है वो तीनों मूर्तियों में नीचे तबक्के की है। वो संगमयुग में हीरा नहीं बनता। हीरा स्थूल होता है या सूक्ष्म होता है? हीरा चमक मारता है या नहीं मारता है? (किसी ने कहा- मारता है।) तो ब्रह्मा की सोल शरीर रहते-2 चमक मारने वाली रही? नहीं। और ये तो सब कहेंगे कि ब्रह्मा का पार्ट किसने बजाया। बडी माँ के रूप में सहनशीलता का पार्ट किसने बजाया? दादा लेखराज ब्रह्मा ने। लेकिन हीरे का पार्ट उनका नहीं कहेंगे। नाम ही है ब्रह्मा, बडी माँ। तो बडी माँ को हीरा, हीरो पार्टधारी कहेंगे या हीरोईन कहेंगे? हीरोईन कहेंगे।

Time: 05.40-07.38
Student: Baba, a mother has asked a question: when will it be said, the diamond like *trimurty shivjayanti*[3]? Is it in 2018 or in 2036?
Baba: *Trimurty* does not become like a diamond because in the *Trimurty* there is a personality of Brahma too. And among all the three personalities Brahma's stage is the lowest. He does not become a diamond in the Confluence Age. Is a diamond physical or subtle? Does a diamond shine or not? (Someone said: It does.) So, did Brahma's soul shine as long as it was in its body? No. And everyone will say that who played the part of Brahma. Who played the part of tolerance in the form of the senior mother? Dada Lekhraj Brahma. But he will not be said to have played the part of a diamond. The name itself is Brahma, the senior mother (*bari maa*). So, will the senior mother be called a diamond (*heera*), a hero actor or a heroine? She will be called a heroine.

जिज्ञासु- हीरे तुल्य शिव जयन्ती कहते हैं ना?
बाबा- हाँ, जी। शिव जयन्ती इसलिए हीरे तुल्य कहते हैं कि एक की जयन्ती ही हीरे तुल्य है। एक की जयन्ती होती है तो स्वर्ग की स्थापना होती है। जब तक एक की जयन्ती नहीं हुई तब

---
[2] Go beyond speech.
[3] The birthday of Shiva

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

तक स्वर्ग स्थापन हुआ नहीं कहा जा सकता। और जितनी भी जयन्तियाँ वो वर्थ नॉट ए पैनी है। क्योंकि उनके आने के बाद तो ये दुनिया और ही नर्क बनती रहती है। एक प्रत्यक्ष होता है तो सारी दुनिया स्वर्ग बनती है। और-2 जब प्रत्यक्ष होते है, जन्म लेते है तो दुनिया नर्क ही बनती जाती है।

Student: It is said, a diamond like *shivjayanti*, isn't it?
Baba: Yes. *Shivjayanti* is called diamond like because the *jayanti* (birthday) of only one is like a diamond. When the *jayanti* of one takes place, the heaven is established. Until the *jayanti* of the one takes place, it cannot be said that the heaven has been established. All other *jayantis* are worth not a penny. Because the world keeps becoming a greater hell after their arrival. When one is revealed, the entire world becomes heaven. When others are revealed, when they are born, the world goes on becoming just a hell.

समयः 07.40-08.27
जिज्ञासुः बृहस्पति और सूर्य का पार्ट एक ही है क्या?
बाबाः नहीं, सूर्य कभी अंधेरे में आता है क्या? सूर्य अंधेरे में कभी नहीं आता। और जितने भी ग्रह है उनमें सूर्य की रोशनी जिस सामने के भाग में पड़ती तो उजाले में है और बाकी आधा हिस्सा अंधेरे में है। सूर्य तो नक्षत्र है। सदैव दैदीप्यमान है। सदैव चमकता हुआ है। और ग्रह नक्षत्र नहीं है, स्वयं प्रकाशित नहीं है। उनको प्रकाश देने वाला सूर्य है।

Time: 07.40-08.27
Student: Is the part of *Brihaspati* (Jupiter) and *Surya* (the Sun) one and the same?
Baba: No. Does the Sun ever come in darkness? The Sun never comes in darkness. And in case of all the planets, the part of a planet facing [the Sun] which receives the light of the Sun remains in brightness and the other half remains in darkness. The Sun is a star (*nakshatra*). It is always luminous. It is always shining. And the planets are not stars. They are not self-luminous. It is the Sun that gives them light.

समयः 08.30-09.13
जिज्ञासुः बेसिक में जब हम ब्रह्मा बाबा में शिव को याद करते थे तो उस समय कोई पाप कर्म भस्म नहीं हुए क्या?
बाबाः वो प्रश्न ऐसे ही हो गया कि ढाई हजार साल भक्तिमार्ग में ऋषियों-महर्षियों ने इतनी-2 तपस्या की, भगवान को याद किया, तो फालतू ही किया उनके कोई पाप भस्म नहीं हुए? जब पूरी पहचान ही नहीं है, मैं जो हूँ, जैसा हूँ, जिस रूप में पार्ट बजाता हूँ उस स्वरूप को पहचाना ही नहीं तो पाप भस्म कैसे होंगे? (किसी ने कहा- बेसिक में सिर्फ प्रैक्टिस के लिए।) हाँ, तो ठीक है।

Time: 08.30-09.13
Student: When we used to remember Shiva in Brahma Baba in the basic (knowledge), didn't our sins burn to ashes at that time?
Baba: This question is just like the question: the sages and saints did so much *tapasya* (penance) [and] remembered God in the path of *bhakti* for 2500 years; so did that go in vain? Didn't any of their sins burn to ashes? When they didn't have the complete recognition [of the Father] itself,

"what I am, the way I am, the form in which I play my part", when they haven't at all recognized this form at all, how will the sins be burnt to ashes? (Student: it was just for the sake of practice in the basic [knowledge].) Yes, it is correct.

समयः 09.15-09.53

जिज्ञासुः बाबा, मुरली में कहा है विष्णु का जन्म सो कृष्ण का जन्म। राधे का जन्म कृष्ण से ५-६ वर्ष पीछे हुआ होगा। जन्म तो माँ के गर्भ से होता है ना। कृष्ण के माता का नाम कहते है यशोदा। देवकी का नाम रांग हो जाता है। तो बुद्धि से काम लेना है। ऐसा कहा है।
बाबाः बीच में ब्रह्मा बाबा इंटरफियर करके बोलते हैं। तो शिवबाबा बोलते हैं संगमयुगी कृष्ण की बात और ब्रह्मा बाबा कहाँ की बात बोल देते हैं? सतयुग के कृष्ण की बात बोल देते हैं। इसलिए ऐसा विरोधाभास आ जाता है।

Time: 09.15-09.53
Student: Baba, it has been said in the Murli: "Vishnu's birth is the same as Krishna's birth. Radhey must have been born 5-6 years after Krishna. Birth takes place through a mother's womb, doesn't it? Krishna's mother's name is said to be Yashoda. It is wrong [to mention] the name of Devaki . So, you have to use your intellect." It has been said like this.
Baba: Brahma Baba interferes in between and speaks. So, Shivbaba speaks about the Confluence Age Krishna and where does Brahma Baba speak about? He speaks about the Krishna of the Golden Age . This is why there is such contradiction.

समयः 10.47-11.13

जिज्ञासुः बाबा, ज्ञान में आने के बाद शरीर छोड़ता है तो उसको दुबारा शरीर मिलता है क्या?
बाबाः उसका तो संकल्प है, उसने तो ज्ञान ऐसा लिया हुआ है कि शरीर रहते ही हमको विश्व की बादशाही लेनी है। स्वर्ग में जाना है। तो अंत मते सो गति हो जाएगी। दुबारा शरीर का जन्म मिलेगा और फिर पुरुषार्थ करेगा ।

Time: 10.47-11.13
Student: Baba, if someone leaves the body after coming in knowledge, does he get a body again?
Baba: He has this resolution; he has obtained such a knowledge, "I have to obtain the emperorship of the world while being in the body itself. I have to go to heaven". So, as are the thoughts in the end, so shall be his fate. He will be born with a [physical] body and will make *purusharth* again.

समयः 11.18-11.55

जिज्ञासुः बाबा, भक्तिमार्ग में आज रामनवमी है । रामनवमी का अर्थ क्या है?
बाबाः रामनवमी का अर्थ यह है- कृष्ण की अष्टमी मनाई जाती है। सात कृष्ण जैसे बच्चे पैदा हो गए तब आठवा नम्बर कृष्ण का जन्म हुआ। ऐसे ही सतयुग में आठ कृष्ण जैसे नारायणों का जन्म हो जाता है तब नौवां राम वाली आत्मा का जन्म होता है। प्रत्यक्षता होती है। छुपा

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

रुस्तम बाद में खुला।

Time: 11.18-11.55
Student: Baba, today it is *Ramnavami* (birthday of Ram) on the path of *bhakti*? What is meant by *Ramnavami*?
Baba: *Ramnavami* means…, (for example) the *ashtami* of Krishna is celebrated. Seven children like Krishna were born, then Krishna was born at the eighth number. Similarly, eight Narayans like Krishna are born in the Golden Age, then the ninth one, i.e. the soul of Ram is born. His revelation takes place. The hidden *rustum(hero)* is revealed later on.

समयः 11.58-14.45
जिज्ञासुः जब धर्मपिताएं आते हैं आधारमूर्त में प्रवेश करते हैं तो पतित तन में तो आते हैं। तो आते ही उनकी निराकारी स्टेज कैसे दिखाई देती है?
बाबाः जो आत्मा प्रवेश करती है उसका प्रभाव होता है। जैसे दादी में ब्रह्मा की सोल प्रवेश करती है तो चेहरे मोहरे में फर्क होता है। वो फर्क कैसे हो जाता है? क्या दादी का अपना पुरूषार्थ है या प्रवेश करने वाली आत्मा की बात है? (किसीने कहा – प्रवेश करने वाली आत्मा।) ऐसे ही वो ऊपर से आने वाले धर्मपिताएँ होते हैं। (किसीने कहा – तुरंत दिखाई पड़ती है।) हाँ। ऊपर से आने वाले जो भी धर्मपिताएँ हैं, वो जब साकार सृष्टि पर आएंगे, पांच तत्वों के चोले में आएंगे तो उनका हिसाब-किताब बनेगा या नहीं बनेगा? (किसीने कहा – बनेगा।) और शिव की आत्मा जब इस सृष्टि पर आती है तो उनका हिसाब-किताब बनता है या नहीं बनता है? नहीं बनता है।

Time: 11.58-14.45
Student: When the religious fathers come and enter the base-like souls (*aadhaarmoort*); they come in a sinful body anyway. So, how is their incorporeal stage visible as soon as they come?
Baba: It is the influence of the soul that enters. For example, the face of Gulzar Dadi changes when Brahma's soul enters her. How does that change occur? Is it Gulzar Dadi's own *purusharth* or is it about the soul that enters? (Someone said: the soul that enters.) Similar is the case with the religious fathers who come from above. (Student: It [the incorporeal stage] is visible immediately.) Yes. All the religious fathers who come from above, will they develop karmic account when they come to the corporeal world, when they come in a body made up of the five elements or not? (Someone said: they will develop.) And when the soul of Shiva comes in this world, does He develop a karmic account or not? He does not.

क्यों नहीं बनता है? क्योंकि शिव को संग का रंग नहीं लगता और वो किसी को संग का रंग लगाता भी नहीं है। जिसमें प्रवेश करता है वो आत्मा हल्की-फुल्की अपने को अनुभव करती है। कोई प्रकार का बोझा नहीं पडता है। क्योंकि शिव को अपने सूक्ष्म शरीर का भी बंधन नहीं है। सूक्ष्म कर्मों का कोई भी चोला उनका नहीं बनता। इसलिए सूक्ष्म शरीर का दबाव ही नहीं पडता है, मुकर्रर रथ के ऊपर या टेम्परेरी रथ के ऊपर। और जो आत्माएँ है चाहे कितने भी महान ते महान धर्मपिताएँ हो वो परमधाम से जब आवेंगे तो जिसमें प्रवेश करेंगे उसका संग का रंग लगेगा भी और लेंगे भी। इसलिए वो निराकारी स्टेज का जिसमें प्रवेश करते है उसके ऊपर असर पड जाता है। निराकारी स्टेज स्पष्ट दिखाई पडती है। तो अंतर पड जाता है। इब्राहीम, बुद्ध,

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

क्राईस्ट, गुरूनानक इनकी निराकारी स्टेज इनके चित्रों में दिखाई पडती है। और शिव जिसमें प्रवेश करता है मुकर्रर रूप से उसकी अवस्था अंत में जाकर बनती है। गुप्त रहती है। क्योंकि उसको स्वंय को पुरूषार्थ करना पडता है। शिव के संग का रंग कोई भी; ऐसे नहीं कि शिव के संग का रंग तुरंत लग जाता है। नहीं, जितना-जितना पुरुषार्थ उतना-उतना प्राप्ति।

Whe does He not develop [the karmic account]? It is because Shiva is not coloured by the company. Moreove, He does not apply the colour of His company to anyone either. The soul (in whose body) He enters feels itself to be very light. It does not feel any type of burden because Shiva does not have the bondage of subtle body either. He never gets a body of subtle actions. This is why there is no pressure of the subtle body on the permanent chariot (*mukarrar rath*) or the temporary chariot at all. All the other souls, be it the greatest religious fathers, when they come from the Supreme Abode, they will certainly be coloured by the company of the one in whom they enter and will apply the colour of their own company too. This is why there is an effect of that incorporeal stage on the one whom they enter. The incorporeal stage is clearly visible. So, a difference occurs. The incorporeal stage of Abraham, Buddha, Christ, Guru Nanak is visible in their pictures. And the one in whom Shiva enters in permanent form, develops that stage in the end. It remains incognito (until then) because he has to make his own *purusharth*. The colour of the company of Shiv; it is not that the colour of the company of Shiva is applied immediately. No. The more *purusharth* they make, they receive attainments to that extent.

समयः 15.00-16.10
जिज्ञासुः युगादि मनाते हैं ना।
बाबाः हाँ, जी।
जिज्ञासुः उस दिन गुडी खड़ी करते हैं बोल रहे हैं।
बाबाः गुडी क्या?
जिज्ञासुः गुडी माना एक लकड़ी को साड़ी लगाकर, झंडे जैसा दिखाते हैं। इधर महाराष्ट्र में एक लकड़ी को, लाठी को झंडे जैसे साड़ी लगा के खड़ी कर देते हैं।
बाबाः तो नए युग की जब शुरूवात होती है, संवत एक-एक-एक जब शुरू होगा तो जिस मुकर्रर रथ में प्रवेश करते है वो संसार में प्रत्यक्ष हो जाता है। उसकी यादगार में सिक्खों में, गुरूद्वारे के सामने इन्द्र लट्ठ खडा करते हैं और युगादि में यहाँ लकड़ी खडी कर देते हैं। (किसी ने कहा- और उसके ऊपर कलष ....।) ज्ञान का कलष तो उसीके ऊपर है ना।
जिज्ञासुः यानी कलष पलटा कर देते हैं।
बाबाः हाँ, जी। सारा ज्ञान का कलष किसके ऊपर गिरता है? उसी के ऊपर गिरता है।

Time: 15.00-16.10
Student: *Yugadi* (New Year) is celebrated, isn’t it?
Baba: Yes.
Student: She is saying that a *Gudi* is put up on that day.
Baba: What is *Gudi*?
Student: *Gudi* means, a *saree* is tied to (one end of) a stick and it is shown like a flag. Here, in Maharashtra – a stick is erected with a *saree* tied on it like a flag.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: So, when a new age begins, when the era 01.01.01 begins, the permanent chariot in which He enters is revealed in the world. The Sikhs erect an *Indralatth* in front of the *Gurudwara*[4] and on *Yugadi*, people erect a stick here (in Maharashtra) as its memorial. (Student: they also place a pot on it.) The pot of knowledge is only on him, isn't it?
Student: No, they turn the pot upside down.
Baba: Yes. On whom does the entire pot of knowledge fall? It falls only on him.

समयः 17.21-18.30

जिज्ञासुः नौ लाख में विश्वकिशोर भाऊ, प्रकाशमणि दादी तो नहीं होंगे ना। वो तो उनके बच्चे हैं।

बाबाः क्यों नौ लाख में वो आत्माएँ नहीं होंगी?

जिज्ञासुः वो कैसे होंगे बाबा? वो तो उनके बच्चे हैं

बाबाः उनके बच्चे हैं?

जिज्ञासुः ब्रह्मा बाबा के।

बाबाः नौ लाख पहले जन्म की आवादी नहीं होगी?

जिज्ञासुः पहले जन्म की आबादी होगी साढ़े चार लाख, रूद्र माला के माला के मणके।

बाबाः होगी ना। उनमें वो प्रवेश करके पार्ट बजाया है ना उन्होंने। यहाँ प्रवेश करके पार्ट बजाया है वहाँ जन्म लेंगे।

जिज्ञासुः बह्मा बाबा के..

बाबाः बच्चा बनेंगे।

Time: 17.21-18.30
Student: Vishwakishore Bhau, Prakashmani Dadi will not be included among the nine lakh (900 thousand) [souls], will they? They are his (Brahma's) children.
Baba: Why? Will those souls not be among the nine lakh [souls]?
Student: How will they be included Baba? They are his children.
Baba: They are his children?
Student: Of Brahma baba.
Baba: Will the population of the first birth not be nine lakh?
Student: The population of the first birth will be four and a half lakh (450 thousand); the beads of the *Rudramala* (rosary of Rudra).
Baba: It will be, will it not? They have played a part by entering them, haven't they? Here they have played a part by entering [and] there they will be born (physically).
Student: They will become Brahma Baba's…
Baba: They will become his children.

जिज्ञासुः तो ब्रह्मा बाबा जैसे पुरूषार्थी जन्म लेंगे ना साढ़े चार लाख से....?

बाबाः ब्रह्मा बाबा का गायन क्यों होता है? कृष्ण वाली आत्मा का गायन राम वाली आत्मा से कम है क्या?

जिज्ञासुः नहीं।

बाबाः फिर?

[4] Place of worship of the Sikhs.

जिज्ञासुः लेकिन वो सेकण्ड धर्मपिता का आधारमूर्त है। वो तो बाद में आना चाहिए ना नौ लाख के बाद में आना चाहिए ना।

बाबाः कौन?

जिज्ञासुः प्रकाशमणि दादी और...

बाबाः बाद में; प्रैक्टिकल जन्म तो बाद में ही लेंगे।

Student: So, they will take a *purusharthi* birth (birth of making spiritual effort) like Brahma Baba, from the four and a half lakh [souls], will they not?
Baba: Why is Brahma Baba praised? Is the praise of the soul of Krishna less than the soul of Ram?
Student: No.
Baba: Then?
Student: But they are the base-like soul of the second religious father. So, they should come afterwards, shouldn't they? They should come after the nine lakh [souls].
Baba: Who?
Student: Prakashmani Dadi and…
Baba: They will take a practical birth later on itself.

समयः 19.15-21.02

जिज्ञासुः बाबा, सोमनाथ माना?

बाबाः सोम कहते है ज्ञान का रस और सोम चंद्रमा का भी नाम है और चंद्रमा में कहते है कि अमृत रस बरसता है। तो सोमरस पीने का अर्थ लगाते है कि अमृत रस पीया। देवताओं ने अमृत रस पीया तो अमर हो गए। जिसके नाम पर सोमनाथ मंदिर बना है।

जिज्ञासु: अभी वो कहाँ पर है?

बाबा: सोमनाथ मंदिर है ही गुजरात में। पहले का पुराना मंदिर मुसलमानों ने तोड दिया आज से हजार साल पहले। फिर अभी 200 साल पहले से नया निर्माण हुआ। तो नया मंदिर बना दिया अभी। पहले दूसरी जगह में था अभी नया दूसरी जगह में बना दिया है। पहले भी समन्दर के किनारे था अभी भी समन्दर के किनारे है। सोम कहा जाता है चंद्रमा को। चंद्रमा है ज्ञान चंद्रमा ब्रह्मा। उस ज्ञान चंद्रमा ब्रह्मा को नाथने वाला है सोमनाथ। ब्रह्मा है बैल और बैल को नाथने वाला शिवबाबा। शिवबाबा बिन्दी; बिन्दी है या साकार रूप में है? साकार रूप में है। उछलके सवारी करता है। हाईजम्प लगाता है और बैल को नाथ लेता है। तो सोमनाथ नाम यादगार पड़ गया है।

Time: 19.15-21.02
Student: Baba, what is the meaning of Somnath?
Baba: *Som* means the nectar of knowledge and *Som* is also the name of the Moon. And it is said that it rains nectar on the Moon. So, drinking *Somras* (nectar of the Moon) is considered as drinking nectar. The deities drank nectar so they became immortal. The Somnath temple was built in its name.
Student: Where is it situated now Baba?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: The Somnath temple is situated in Gujarat. The old temple of the beginning was demolished by the Muslims one thousand years ago. Now a new [temple] was constructed 200 years ago. A new temple was constructed now. Earlier it was located somewhere else. Now, the new one has been constructed at another place. In the past too, it was on the sea shore and now also it is on the sea shore. The Moon is called *Som*. The Moon is the Moon of knowledge, [i.e.] Brahma. The one who controls that Moon of knowledge is Somnath. Brahma is the bull and the one who controls the bull is Shivbaba. Shivbaba a point; is He a point or in a corporeal form? He is in a corporeal form. He jumps and rides (on the bull). He makes a high jump and controls the bull. So, the name Somnath has become a memorial.

समयः 25.23-26.35

जिज्ञासुः बाबा, बेहद में माउंट आबू क्या है?

बाबाः माउंट माना पहाड और आबू माना आ, बू। बदबू का पहाड जहाँ आकर के इकट्ठा हो जाए वो हो गया माउंट आबू। ज्यादा दुर्गुण रूपी बदबू जो 84 जन्म लेने वाले पूरे होंगे उनमें आएगी, ज्यादा अवगुण ज्यादा जन्म लेने वालों में आएंगे या कम जन्म लेने वालों में आएंगे? (सभी- ज्यादा जन्म लेने वालों में ।) तो जो ज्यादा अवगुण धारण करने वाली आत्माएँ 84 जन्म लेने वाली बनती है, उन्हीं का जखीरा जब भगवान आकर के माउंट आबू में अपना कार्य करते हैं तो वहाँ इकट्ठी होती है। एक है हद का और दूसरा है बेहद का। हद का तो अभी भी वहाँ इकट्ठा हो रहा है बेसिकली। बेहद का तो लास्ट में इकट्ठा होंगे। तब हद का वहाँ से भाग जाएंगे।

Time: 25.23-26.35
Student: Baba, what is the meaning of the unlimited Mount Abu?
Baba: Mount means a mountain and Abu means *Aa* (come), *Bu* (bad odour). The place where a mountain of bad odour accumulates is called Mount Abu. Will those who take the complete 84 births have more bad traits in the form of bad smell, will those who take more births have more bad traits or will those who take fewer births have it? (Everyone said: those who take more births will have it.) So, when God comes and performs His task in Mount Abu, the gathering of the souls who imbibe more bad traits, who take 84 births, is formed there. One is in a limited sense and the other is in an unlimited sense. The limited ones are gathering there in the basic (knowledge) even now. The unlimited ones will gather [there] in the end. Then the limited ones will run away [from there].

समयः 26.40-28.00

जिज्ञासुः पचास वर्ष की पढ़ाई कौनसे सन में पूरी होती है ?

बाबाः पढ़ाई खतम और लड़ाई शुरू। तो पढ़ाई कब खतम होती है? मुख्य पढ़ाई कौन सी आत्मा की है? मुख्य पढ़ाई कौन सी आत्मा की है? एक के पतित बनने से सब पतित एक के पावन बनने से सब पावन? एक की पढाई पूरी हुई तो सब की पढाई पूरी हुई, एक की पढाई अधूरी तो सबकी पढाई अधूरी, कौन है वो? कृष्ण वाली आत्मा। उनकी पढाई कब पूरी होती है? (किसी ने कहा- 98.) कृष्ण वाली आत्मा ने शरीर कब छोडा? (किसी ने कहा- 69 में।) 69 में शरीर छोडा। तो 69 में पचास साल जोडें। (सभी- 2018) 2018 में वो आत्मा, उसकी पढाई पूरी हो जाती है।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

कि फिर भी आगे पढ़ती रहेगी? (सभी: नहीं।) गीता का भगवान बुद्धि में बैठेगा कि नहीं बैठेगा? (किसी ने कहा- बैठेगा।) बस पढ़ाई पूरी हो गई।

Time: 26.40-28.00
Student: In which year do the fifty years of study get over, Baba?
Baba: As soon as the study is over, the war begins. So, when does the study get over? The study of which soul is important? The study of which soul is important? "When 'one' becomes sinful, everyone becomes sinful and when 'one' becomes pure, everyone becomes pure"? "When the study of one is over, everybody's study is over"? As long as the study of one is incomplete, the study of everyone else is incomplete; who is that one? The soul of Krishna. When do his studies get over? (Someone said: in 98.) When did the soul of Krishna leave its body? (Someone said: in 1969.) He left his body in 1969. So, add fifty years to 1969. (Everyone said: 2018.) The study of that soul gets over in 2018. Or will it continue to study further? (Everyone said: No.) Will [the recognition of] the God of the Gita sit in his intellect or not? (Someone said: It will sit.) That is all. The studies will be over [then].

समयः 28.02-32.40

जिज्ञासुः द्वापर के बाद कलियुग अंत में जो भी संत महात्माएं आते हैं वो स्वर्ग में आते हैं क्या?
बाबाः जो वहाँ ही द्वापर के बाद में परमधाम से उतरेंगे तो स्वर्ग में कैसे आएंगे? जो आत्माएँ परमधाम से नीचे उतरती है द्वापर के आदि से वो आत्माएँ स्वर्ग में कैसे आएंगी? हाँ, एक जन्म का उनको स्वर्ग की अनुभूति होती है क्योंकि वो प्रवेश करके पार्ट बजाती है, जब चाहे प्रवेश करें और जब चाहे बाहर आ जाए। जैसे क्राईस्ट वाली आत्मा है, जीसस में प्रवेश किया। जब सूली पे चढाया गया तो वो क्राईस्ट वाली आत्मा तो बाहर आ जाएगी। सूली का दुःख किसको झेलना पडेगा? जीसस को। इसलिए एक जन्म की जीवन मुक्ति मिलती है।

Time: 28.02-32.40
Student: Do all the saints and sages who come after the Copper Age till the end of the Iron Age, go to heaven?
Baba: Those who descend from the Supreme Abode after the Copper Age there itself; how will they come to heaven? How can the souls which descend from the Supreme Abode from the beginning of the Copper Age come to heaven? Yes, they experience heaven for one birth because they enter and play their part. They can enter and come out whenever they wish. For example, the soul of Christ. It entered Jesus. When he was crucified, the soul of Christ comes out. Who will have to suffer the pain of being crucified? Jesus. This is why they attain *jeevanmukti* (liberation in life) for one birth.

जिज्ञासुः ...ढाई हजार साल सेवा करने का उनका काम ही है।
बाबाः ढाई हजार साल सेवा?
जिज्ञासुः कलियुग के अंत तक वो दुनिया को थमाते हैं ना।
बाबाः हाँ, हाँ वो अपने धर्म की आत्माओं को थमाते हैं।
जिज्ञासुः उनका वही काम है?
बाबाः बस।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासुः स्वर्ग में....
बाबाः अरे! उनके ऊपर रहम आ रहा है क्या? ज्यादा बरगलाया किसने? (किसी ने कहा-उन्होंने।) फिर?
दूसरा जिज्ञासुः वो धर्मपिताएँ संगमयुग में पढाई तो पढती है ना बाबा?
बाबाः लास्ट में पढेंगे जब द्वापरयुगी शूटिंग खतम होगी लास्ट में। उनकी भी तो प्रैक्टिकल शूटिंग शुरू होगी कि नहीं? अभी तक जो शूटिंग हुई वो समझने-समझाने की शूटिंग हुई या प्रैक्टिकल शूटिंग हुई? अभी तक तो समझने-समझाने की बात चल रही है, उस लिस्ट में तो वो आवेंगे ही नहीं।

Student: … it is their very job to do service for 2500 years.
Baba: Service for 2500 years?
Student: They maintain the world till the end of the Iron Age, don't they?
Baba: Yes, yes, they maintain the souls of their religion.
Student: Is that their only work?
Baba: That is all.
Student: ….. To heaven?
Baba: Arey, are you feeling pity for them? Who misled (everyone) more? (Someone said: they themselves.) Then?
Student: Those religious fathers study the knowledge in the Confluence Age, don't they Baba?
Baba: They will study in the last, when the shooting of the Copper Age ends in the last. Will their practical shooting also start or not? Whatever shooting took place so far, was it a shooting of understanding and explaining or was it a practical shooting? Till now the shooting of understanding and explaining is going on. They will not come in that list at all.

जिज्ञासुः सबसे ज्यादा फॉलोवर्स तो इस्लाम धर्म के और क्राईस्ट के है ना।
बाबाः हाँ-2, अपवित्रता से ज्यादा पैदाईश होती है या पवित्रता से ज्यादा पैदाईश होती है? व्यभिचार से ज्यादा संतान पैदा होती है, कुत्ते-कुत्तरिया ज्यादा पैदा करते हैं या शेर ज्यादा पैदा करते हैं? सुअर हैं, कुत्ते हैं इनकी व्यभिचार से पैदाईश होती है तो जनसंख्या बहुत बढ जाती है। (किसीने कुछ कहा।)
दूसरा जिज्ञासुः उनका काम ही है कलियुग में, द्वापरयुग में आने का।
बाबाः उनका काम ही है मनमत चलाने का। द्वापरयुग से अपने से ऊंचा वो और किसी को अपने टाईम पर मानते हैं? नहीं मानते हैं। तो यहाँ संगमयुग में वो अपने से ऊंचा और किसी साकार व्यक्ति को मानेंगे? नहीं मानेंगे। वो तो निराकार को ही मानेंगे।

Student: The Islam religion and Christ (i.e. Christians) have the maximum number of followers, don't they?
Baba: Yes; does impurity cause more reproduction or does purity lead to more reproduction? Are more children born due to adulteration, do dogs and bitches reproduce more or do lions reproduce more? Pigs, dogs take birth through adultery; so their population increases a lot.
Student: Their very work is to come in the Iron Age and the Copper Age.
Baba: Their very work is to follow the opinion of their mind. Since the Copper Age, do they consider anyone else greater than themselves? They do not. So, here, in the Confluence Age,

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

will they accept any corporeal person to be greater than themselves? They will not. They will consider only the incorporeal one [to be greater than themselves].

जिज्ञासुः साईबाबा अपन□स□ऊपर मानत□थ□।
बाबाः किसको?
जिज्ञासुः अल्लाह को।
बाबाः अल्लाह कैसा होता है? उन्होंन□ क्या बताया, अल्लाह कैसा होता है? अल्लाह ज्ञान सुनान□ वाला होता है या ऊपर स□ ज्ञान □पकाता है? (किसी न□ कहा- सुना नहीं बाबा।) सुना ही नहीं, सुनो। अल्लाह माना ऊंचा। जो ऊंच□स□ऊंचा काम करें सो ऊंचा या काम-धाम कुछ ना कर□ वो ही ऊंचा? काम कर□ वो ऊंचा। तो अल्लाह न□ कोई ऊंच□स□ऊंचा काम किया होगा जो और किसी न□ नहीं किया हो। अल्लाह न□ जन्नत स्थापन की इसलिए वो ऊंच□त□ऊंचा। और ऐस□ भी नहीं कोई फूँक मार दी और जन्नत पैदा हो गई। जैस□ और धर्मपिताएँ आकर क□ सृष्टि में रिपैरिंग का काम करत□ हैं। लम्बा □ाईम लग जाता है। ऐस□ परमपिता परमात्मा को भी लम्बा □ाईम लगता है, पुरानी सृष्टि को नई बनान□ में।

Student: Saibaba used to consider someone greater than himself.
Baba: Whom?
Student: Allah.
Baba: How is Allah? What description did he give about Allah? Does Allah narrate knowledge or does He drop knowledge from above? (Student: I haven't heard that Baba.) Haven't you heard at all; [go and] hear it. Allah means the highest one. So, is the one who performs the highest task the highest one or is the one who does not perform any task the highest one? The one who performs [a high] task is high. So, Allah must have performed the highest task which nobody else would have performed. Allah established heaven (*jannat*). This is why He is the highest of all. And it is not that heaven was established just by blowing air [from his mouth][5] either. Just as other religious fathers come and perform the task of repairing in the world [and] it takes a long time, similarly, the Supreme Father and Supreme Soul also takes a long time to transform the old world into a new one.

समयः 32.42-33.15
जिज्ञासुः बाबा, तीन बिन्दीयाँ सदा याद रखना माना?
बाबाः आत्मा की बिन्दी याद रखना, ड्रामा की बिन्दी याद रखना और सबस□ जास्ती परमपिता परमात्मा की बिन्दी याद रखना। तीन ही तो बिन्दी है। आत्मा की बिन्दी, बाप की बिन्दी और ड्रामा की बिन्दी। अर□ कैस□ काम चल□□ा जब खास याद रखन□ वाली बात है उन्हीं को भूलत□ जा रह□ हैं।

Time: 32.42-33.15
Student: Baba, what is meant by remembering the three points (*teen bindi*)?
Baba: To remember the point of the soul, to remember the point of drama and the most [important of all] to remember the point of the Supreme Father Supreme Soul. There are only

[5] meaning in a short while

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

three points. The point of the soul, the point of the Father and the point of drama. Arey, how will you progress when you are forgetting the very points that you should especially remember?

समयः 33.17-34.40

जिज्ञासुः हद के जो मुसलमान लोग हैं, उनको बाप का परिचय दे सकते हैं क्या?

बाबाः हद के हो चाहे बेहद के हो सबको दे सकते हैं। सारी मनुष्य सृष्टि का बाप है तो हद के मुसलमान मनुष्यों में नहीं है क्या? उनको भी देना है। उनमें से भी निकलेंगे। क्योंकि मुरली में बोला है सबसे पहले तो मुसलमान मरेंगे, नहीं इस्लामी मरेंगे। मुसलमानों से भी पहले हुए है इस्लामी। और देखने में भी आ रहा है कि दुनिया में ज्यादा झगडा, ज्यादा दबाव किसके ऊपर पड रहा है महादेशों का? इस्लामियों के ऊपर ज्यादा दबाव पड रहा है अमेरीका का। एक एक करके इस्लामी देशों को गटकता जा रहा है।

जिज्ञासुः जितना भी ज्ञान सुनाओ, मुस्लिम लोग ज्ञान में नहीं आते है बाबा।

बाबाः लास्ट में ढेर सारे निकल पडेंगे और पक्की रूहानी मिलेट्री बनके निकलेंगे। असल पठान छाप ।

Time: 33.17-34.40
Student: Can we give the introduction of the Father to the Muslims in a limited sense?
Baba: You can give [the introduction of the Father] to everyone, whether they are [Muslims] in a limited sense or in an unlimited sense. When He is the Father of the entire human world, then are the Muslims in a limited sense not included among human beings? They should also be given [the introduction]. Some will emerge from among them, too. Because it has been said in the Murli, "First of all these Muslims will die". No, "The Islamic people will die". The Islamic people were present even before the Muslims. And it can also be seen that … which country is witnessing more fights, and greater pressure of dominant nations in the world? The Islamic people are facing more pressure of the America. It (America) is gobbling up one Islamic country after another.
Student: Baba, however much knowledge we narrate, the Muslims do not come in knowledge.
Baba: They will emerge in large numbers at the end. And they will emerge as a firm spiritual military. As the trademark of a true *Pathan*[6].

समयः 00.01-00.40

जिज्ञासुः बाबा, अभी आपने मुरली में ही कहा था कि गुडनाईट नहीं करनी है। लेकिन अभी गुडनाईट भी बोले।

बाबाः ये तो किसने बोली गुडनाईट? अम्मा ने बोली कि बाप ने बोली? किसने बोली? (किसी ने कहा- अम्मा ने बोली।) अम्मा ने बोली। अरे वो भूल गए। बाप थोडे ही गुडनाईट करते है। बाप तो बच्चों से अलग होना ही नहीं चाहते। बाप का तो विरूद है साथ रहेंगे, साथ जिएंगे, साथ साथ लेकर चलेंगे। खाएंगे, पीएंगे, खेलेंगे, सब कुछ करेंगे।

6 a category of people known for their bravery in India

Time: 00.01-00.40
Student: Baba, just now you said in the Murli that we should not say goodnight. But just now you said good night (in the murli).
Baba: Who said this good night? Did the mother say it or did the Father say? Who said it? (Someone said: The mother said it.) The mother said. Arey, you forgot that. The Father does not say good night. The Father does not want to separate from the children at all. The Father has promised, “We shall stay together, we shall live together, we will go together. We will do everything [including] eating, drinking, playing (together)”.

समयः 00.41-02.40
जिज्ञासुः बाबा, जब घर में कोई बात होती है, कलह होता है तो आँसू तो आ ही जाते हैं। जैसे मना कर देते हैं आने के लिए। तो उस समय क्या करना चाहिये?
बाबाः आँसू आ जाते हैं माना हेल्पलेस हो गए। आँसू किसको आते हैं? जिसको दुनिया में कहीं भी कोई सहायता नहीं मिलती है – “हाय इस भरी दुनिया में कोई भी हमारा नहीं”। तो आँसू आ जाते हैं। लेकिन ऐसे है क्या? इस दुनिया में हमारा कोई नहीं है? तो बाबा भी बैठेंगे– “लो इन्होंने तो हमें भी मार दिया”। तो रोना चाहिए कभी? (किसी ने कहा- कमजोर है तो आ ही जाता है बाबा।) क्यों कमजोर? ये कमजोरी कौन सी है? कमजोरी ये है बाप को भूलने की। बाप भूल गया। बाप कोई चीज़ है ही नहीं।
जिज्ञासुः नहीं। बाप को याद करते भी रहते हैं लेकिन फिर भी....
बाबाः अरे, जब याद करते हैं तो चला गया, खतम हो गया, मर गया, मुर्दा हो गया? (किसीने कहा – ऐसे तो नहीं।) फिर क्यों आँसू आ जाना चाहिए? बाप तो बैठा हुआ है ना सहयोग देने के लिए।

Time: 00.41-02.40
Student: Baba, when something happens at home, when a dispute takes place, then tears start rolling anyway. For example, when I am not allowed to come [for the class]. Then, what should I do at that time?
Baba: Tears start rolling means that you have become helpless. Who sheds tears? The one who does not get any help from anywhere in the world; (He thinks:) “Oh no, nobody is mine in this huge world!” So, tears start rolling. But is this true? Is nobody ours in this world? So, Baba will also say: “Look, this one has killed even me”. So, should you ever cry? (Someone said: as we are weak, the tears start rolling Baba) Why are you weak? Which is this weakness? It is a weakness of forgetting the Father. You forget the Father; [You think:] “The Father is nothing at all”.
Student: No, we keep on remembering the Father, yet.....
Baba: Arey, when you remember (Him) then has He gone somewhere, is he finished, is he dead, has he become a corpse? (Someone said: It is not like this.) Then why should you shed tears? The Father is present to help you, isn’t He?

जिज्ञासुः कभी याद करते हैं तो ऐसी खुशी हो जाती है कि उस खुशी में भी एकदम गदगद हो जाते हैं।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबाः वो बात अलग है। वो अलग बात है। वो अंदर की दुःख की चीज नहीं है। बाबा के बच्चे और दुःख कहाँ से आ गया? अरबपति का बच्चा हो तो पैसे-पैसे के लिए मोहताज कैसे होगा?

जिज्ञासुः घर में बच्चे परेशान करते हैं, बच्चे दुःख दें तो फिर ये लगता है कि....

बाबाः बच्चे परेशान [करते है?] क्या परेशान करते हैं, मारते हैं?

जिज्ञासुः नहीं, ...

बाबाः मारते भी नहीं हैं तो भी परेशान। इसका मतलब? परेशान कौन होता है? परेशान वो होता है जो आत्मिक स्थिति की शान में नहीं रहता । "मेरे बच्चे, मेरे बच्चे, मेरे बच्चे"। तो परेशान हो जाते हैं। अरे दुनिया में इतने बच्चे हैं। कोई किसी की बात नहीं मानता। आजकल तो बिच्छू टिंडन और ही घरों-घरों में पैदा हो रहे हैं।

जिज्ञासुः बिल्कुल सही बात है।

Student: Sometimes when we remember (Baba), we feel so happy that we become overwhelmed [due to it].
Baba: That is a different thing. It is not the inner pain. When you are Baba's children, how can you get pain? If someone is a millionaire's child how can he beg for every paisa?
Student: At home, if the children trouble us, if they give sorrow, then we feel....
Baba: Children trouble you; how do they trouble? Do they beat you?
Student: No. …
Baba: They do not beat you, yet you feel troubled; what does it mean? Who feels troubled (*pareshaan*)? The one who does not remain in the dignity (*shaan*) of soul conscious stage is troubled. [They keep on saying:] "My children, my children, my children". So, they feel troubled. Arey there are so many children in the world. Nobody listens to anyone. Nowadays, scorpions and spiders are being born in every home.
Student: It is absolutely correct.

समयः 04.20-06.30

जिज्ञासुः बाबा, आगे पीछे तो थोड़ी शांति आ जाती है। तसल्ली आ जाती है। लेकिन जिस समय कोई बात होती है तो उस समय ऐसा लगता है कि इतना करते-करते भी अपने-अपने से ऐसा कर रहे हैं ये लोग।

बाबाः कितना करते हैं?

जिज्ञासुः हर तरह से बच्चों के लिए आगे-पीछे जी जान देते हुए, परिवार के लिए........

बाबाः बच्चों के लिए? वो बच्चे हैं या दुश्मन हैं? जिनको हम मेरे2 करते हैं वो बच्चें हैं या दुश्मन है? (किसी ने कहा- दुश्मन हैं।) फिर? वो अपना हिसाब किताब लेकर के चलते बनेंगे। कोई किसी का नहीं रहेगा।

जिज्ञासुः तो उस समय थोड़ी देर के लिए ऐसे नहीं चाहते हुए भी.......

बाबाः दुनिया से वैराग्य नहीं आता है ना। राग पैदा हो जाता है ना।

Time: 04.20-06.30
Student: Baba, we feel peaceful sometimes, we feel satisfied, but when something happens, we feel that despite doing so much [for them], these people are behaving like this with us.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: What do you do [for them]?
Student: We sacrifice ourselves for the children, for the family in every way...
Baba: For the children? Are they children or enemies? For those whom we say, "They are mine, they are mine", are they children or enemies? (Someone said: They are enemies.) Then? They will settle their accounts and leave. Nobody will remain with anyone.
Student: So, at that time, although we do not wish, still for some time....
Baba: You do not feel detached from the world, do you? You develop attachment [for it], don't you?

जिज्ञासु: बाबा, उस समय ये नहीं आवे उसके लिए क्या प्रयास करें, कैसे करें....?
बाबा: जितना गुड डालेंगे उतना मीठा होगा। जितना तन-मन-धन इश्वरीय सेवा में स्वाहा करेंगे उतना खुश रहेंगे। नहीं समझ में आया? हम जितना मन स्वाहा करेंगे उतना मन से खुश रहेंगे। जितना धन स्वाहा करेंगे उतना धन से खुश रहेंगे। यहाँ भी रहेंगे, 21 जन्म भी रहेंगे और फिर 63 जन्म भी रहेंगे ब्याज में। और जितना तन अर्पण करेंगे, तन यहाँ भी उडता-2 रहेगा। भले शरीर सड़ता जावेगा, आत्मा पावरफुल होती जावेगी। ये अनुभव करेंगे कि आत्मा की शक्ति से सारा शरीर चल रहा है। डॉक्टर लोग भी आश्चर्य खा गए- अरे, ये क्या! इतना टेम्परेचर और ये उछल रहे हैं।

Student: Baba, what should we practice to avoid this at that time?
Baba: The more the jaggery you add, the sweeter the dish will be. The more you sacrifice your body, mind and wealth in Godly service, the happier you will be. Did you not understand? The more we sacrifice our mind, we will remain joyful through our mind to that extent. The more we sacrifice our wealth, we will remain happy through wealth to that extent. We will remain happy here as well as in the 21 births and we will remain happy even in the 63 births as an interest (on the principal). And the more we sacrifice our body, it will keep flying (feel lighter) even here; although the body goes on rotting, the soul will keep becoming powerful. You will feel that the entire body is functioning with the power of the soul. Doctors will also feel surprised, "Arey, what is this! The temperature [of this person's body] is so high and he is jumping (in joy).

समय: 06. 37-07.25
जिज्ञासु: बाबा कुछ आत्माएं रोज़ क्लास नहीं करती हैं। और उनको फिर थोड़ा उक्साते हैं (कि) भई देखो थोड़ा पुरुषार्थ करो, संगठन क्लास भी अटेंड करो। और वो फिर बुरा मानती हैं तो क्या करें? बाबा आएं तो सूचना-वूचना के लिए कैसे? वो तो झूठ ही मानते हैं कि तुम लोग झूठी अफवाह फैलाते हो।
बाबा: अभी तो बोला मुरली में - चुप रहो। मन के मौन से नई रंगत निकलेगी।
जिज्ञासु: क्लास के लिए.......
बाबा: क्लास के लिए भी मुंह से हम क्यों कहें? सवेरे को उठ कर के उनको सर्च लाईट भी तो दे सकते है। हमें मालूम है हमारे कहने से उनको अहंकार आता है अपने को नीचा पुरूषार्थी समझते हैं, समझते हैं ये हमको टोंट मार रहे हैं, अपने को ऊंचा पुरूषार्थी समझ रहे हैं इसलिए हमको उंगली उठा-उठा के बोल रहे हैं।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Time: 06.37-07.25
Student: Baba, some souls do not attend the classes daily. And we provoke them a little (by telling them): “Look, make some *purusharth*[7], attend the *sangathan* classes”, they feel bad; so, what should we do? Should we inform them when Baba comes? They consider it to be false. [They say:] “You people are spread false rumours ”.
Baba: Just now it was said in the murli, “Remain silent”; the silence of the mind will bring about novelty (new colors).
Student: For the class....
Baba: Why should you tell them for class through your mouth? You can wake up in the morning and give them searchlight as well. We know that it hurts their ego when we say it, they consider themselves as inferior *purusharthis* (those who make spiritual effort), they feel, “This person is taunting at us, he considers himself to be a higher *purusharthi*, this is why he is pointing fingers at us”.

समयः 08.12-10.23
जिज्ञासुः बाबा, पहल□में अभी तक डली (क्लास) करती थी। अभी १५-२० दिन स□क्लास करन□ नहीं आन□दस□..
बाबाः कोई बात नहीं।
जिज्ञासुः मतलब सी.डी. ल□जाती हूँ आशा माता स□और घर प□कर लती हूँ।
बाबाः घर में करिए क्लास।
जिज्ञासुः [कभी वो कहत□है-] 5-10 मिन□ क□ लिए जाना हो तो जाओ। 1-2 घं□□क□ लिए तो कहीं जान□नहीं देंग□
बाबाः पूरा उनक□ साथ एग्रीमें□ निभाओ। उनक□ साथ एग्रीमें□ किया है ना लौकिक जीवन में। लौकिक में भी पूरा निभाए और अलौकिक में भी पूरा निभाए। वो बैलेंस की तो कमाल है।
जिज्ञासुः फिर कॉपी में साईन कैस□कर□ **बाबाः** वो कोई बात नहीं, ऊपर वाल□क□ पास सब कुछ पहुँचता है। आपन□मुरली का क्लास किया घर बैठ□वो साईन हो गए।

Time: 08.12-10.23
Student: Baba, I used to attend [classes] daily till now. Now he (i.e. husband) is not allowing me to attend the classes for the last 15-20 days. ....
Baba: It does not matter.
Student: I take the CDs from Asha Mata and listen [to the class] at home.
Baba: Listen to the class at your home.
Student: [Sometimes he says:] “You may go if you want to go for 5-10 minutes”, but he does not allow me to go anywhere for 1-2 hours.
Baba: Carry out the complete agreement with him. You have entered into an agreement with him in the *lokik* life, haven’t you? You should maintain [the agreement] completely in the *lokik* as well as the *alokik* life. The marvel is in maintaining that very balance.
Student: Then, how should I sign in the copy (attendance register)?

[7] spiritual efforts

Baba: That does not matter. Everything reaches the 'One above'. You listened to the murli class sitting at home and that was as good as signing (on the register).

जिज्ञासु: संगठन तो जरूरी होता है ना बाबा, क्लास नहीं तो......।
बाबा: संगठन तो जरूरी होता है तो घर में कलेश करना वो भी जरूरी है?
जिज्ञासु: नहीं।
बाबा: फिर? जब बाबा ने बोल दिया कि तुम्हार पूरा का पूरा परिवार ज्ञान में चलेगा तो पूरे परिवार के लोग हमारी गी.पा. के सदस्य हो गए ना। भले हमारी गी.पा. अभी नहीं चल रही है। अभी नहीं चल रही आगे चलकर चलेगी।
जिज्ञासु: कभी-2 ऐसा भी होता है सहयोगी भी पूरे रूप से बन जाते है......
बाबा: 17.04 समझ में तो आ रहा है। संस्कार है, पूर्व जन्म के संस्कार है। जब टकराते हैं तो विरोध करते हैं। अच्छे संस्कार उदय होते हैं तो आप को सहयोग देने लग पडते हैं। आगे चलकर ऐसे भी हो सकता है सदा काल के सहयोगी बन जाए। तो अच्छे-2 संकल्प करिए हर बार।

Student: Baba, the *sangathan* is important, isn't it? If someone doesn't attend the classes....
Baba: If the *sangathan* is important; is it also important to create disputes at home?
Student: No.
Baba: Then? When Baba has already said, "Your entire family will follow knowledge", so the members of our entire family are members of our *Gitapathshala*, aren't they? Although our *Gitapathshala* is not functioning at present. If it is not functioning now, it will function in future.
Student: Sometimes it happens that he (i.e. my husband) becomes completely helpful...
Baba: Understand that it is the *sanskars*; it is the *sanskars* of the previous births. When they (the *sanskars*) clash, they oppose us. When the good *sanskars* emerge, they start helping you. It can even happen like this in future that he may become helpful forever. So, create good thoughts every time.

जिज्ञासु: दरवाजे पर मैंने वो त्रिमूर्ति का वो लगा दिया गे पे और वो थोडी देर बाद उछलने लगा। बोले तेरे त्रिमूर्ति ये बाबा जो है उछलवाये यहाँ से कहाँ लगाऊ मैं? मैंने कहा सामने ऑफिस में लगा दो। उन्होंने अपने आप ही खुद जाकर के ऑफिस में लगा दिया।
बाबा: फिर?
जिज्ञासु: और आज जाने के लिए सुबह तुरंत मना कर दिया। मैंने बाबा को याद किया....।
बाबा: तो तुरंत आप बैठ जाइए याद में।
जिज्ञासु: उसी समय तुरंत बोले कि ठीक है ये बच्ची भेज दे तो चले जाना मेरे तरफ से तो फ्री है।
बाबा: देखा! तुरंत का तुरंत चेंज भी हो गया।

Student: I put up the *Trimurty* (picture) on the gate. And after some time it started swinging. He said your (picture of) *Trimurty,* this Baba is swinging here, where should I put it? I said, "Put it up in front of the office". He put it up at his office on his own.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: Then?
Student: And today morning he stopped me at once from leaving (for this class). I started remembering Baba….
Baba: So, immediately sit in remembrance (in such circumstances).
Student: At the same time he immediately said, “You may go if this daughter lets you go. You are free from my side”.
Baba: Look, he also changed immediately.

समयः 14.31-16.00

जिज्ञासुः बाबा, गृहस्थी में रह के शादी में भी जाना पड़ता है लेकिन वहां का खाना भी खाना पड़ता है। लेकिन इस ज्ञान में कहते हैं किसी दूसरे के हाथ का खाना नहीं चाहिए। इसके लिये क्या करें?

बाबाः वो तो जिनकी जीभ लपलपाती है कोई ना कोई रास्ता निकाल लेंगे। जो पक्के हैं वो तो कहेंगे हमारे पेट में दर्द हो रहा है, ओ हो। थोडा नाटकबाजी करके अपना खिसक जाएंगे।

जिज्ञासुः बना कर खालो वहाँ से....

बाबाः हाँ, बनाकर खालो, घुस जाओ। दूसरे बना सकते हैं तो हम नहीं बना सकते हैं?

जिज्ञासुः नहीं, कही रिसेप्शन वगैरह में गये तो वहाँ कहाँ बना करके खालो?

बाबाः बहाने बनाने को ढेर बहाने है। जब की हमें मालूम है संग का रंग और अन्न दोष ये दोनों चीजें ही गिराने वाले है। इनके अलावा और कुछ भी गिराने वाला नहीं है। जितना कायदा करेंगे उतना फायदा होगा। कायदे को तोड़ेंगे [तो] अपना ही नुकसान होगा। कोई दूसरे का थोड़े ही होगा।

Time: 14.31-16.00
Student: Baba, while living in a household we have to attend marriages, we have to eat their food as well. But in this knowledge it is said that you should not eat food cooked by others. What should we do for this?
Baba: Those who feel tempted will find some way or the other [to eat the food cooked by others]. Those who are firm will say, “Oh! My stomach is aching”. They will enact a drama and move away [from that situation].
Student: Cook food yourself and eat there…
Baba: Yes, cook the food and eat. Get into [the kitchen]. When others can cook, why can’t we?
Student: No, suppose we go for a reception somewhere, how can we cook [ourselves] and eat there.
Baba: There are numerous excuses that you can make, although we know that the colour of company and bad food – these very two things cause downfall. No other thing causes downfall. The more you follow the rule (*kaaydaa*), the more benefit (*faaydaa*) you will reap. If you break the rules, you yourself will be harmed. Nobody else will be harmed.

समयः 16.07-21.32

जिज्ञासुः बाबा, जिन आत्माओं को एडवांस का कोर्स करा दिया, और मुरली भी सुना दी है। ...भट्ठी नहीं की, तो बाबा आ जाएं तो ...?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबाः इंतजार करो।

जिज्ञासुः कई आत्माएं तड़पती हैं।

बाबाः झूठी तड़पती है, जिसको तड़पता होगा वो तो पहल□भागेंग□ जिसको तड़प लगी हुई होगी वो तो पहल□भाग□□ा। वो क्यों रूक□□ा?

जिज्ञासुः बाबा, कईयों क□ घर स□कोई माँ-बाप निकलन□नहीं द□□□हैं। कन्यायें जैस□उसको लगन बहुत है, तो उसका फिर कैस□

बाबाः कोई बात नहीं। कन्याएँ बंधन में है, जब तक 18 साल की नहीं होती है तभी तक तो बंधन है। 18 साल की हो गई, अपना स□्□ीफिक□□ उठाया और फुर्र।

Time: 16.07-21.32
Student: Baba, the souls which have been given the advance course and have been made to listen to the murlis as well … [but] they have not undergone the *bhatti*; so, when Baba comes….?
Baba: Wait?
Student: Many souls yearn (to meet Baba).
Baba: They yearn falsely. Those who yearn will run first (to meet the Father). The one who yearns will run first. Why will he stop?
Student: Baba, in case of many souls, the parents do not allow them to come out of the house; virgins for example; she has a lot of attachment dedication [towards this knowledge]; so, in her case how...
Baba: It does not matter. The virgins are in bondage only until they grow 18 years old. As soon as they are 18 years old, they can pick up their certificate and fly.

जिज्ञासुः ल□किन ऐस□बदनामी नहीं होगा?

बाबाः काह□की बदनामी? कन्याओं को बांध कर रखना य□सरनामी है?

जिज्ञासुः नहीं तो माँ-बाप को जो है ऐस□सोचेंग□ना पता नहीं लडकी......

बाबाः काह□की बदनामी? महाभारत की कथा पढी है? जो कन्याओं को बांध कर रखत□हैं, माताओं को बांध कर रखत□हैं, दुर्योधन-दुःशासन बनकर क□ रहत□हैं वो अच्छी बात है क्या? य□तो समाज की परम्पराएँ खराब हो गई। कन्याओं को तो स्वतंत्रता होनी चाहिए अपन□जीवन में अपना वर चुनन□की, अपना रास्ता चुनन□क□ लिए।

जिज्ञासुः ल□किन इसको भी लोग गलत मानत□हैं।

बाबाः हमें जो दुनिया भस्म होन□वाली है उसक□ लोग लाज में हमें चलना है क्या? जो दुनिया सामन□खडी हुई है उसकी लोक लाज नहीं द□□नी है? भस्म होन□वाली दुनिया की लोक लाज द□□नी है? वो दुनिया खलास होन□वाली है। कल उसमें आग लग जाएगी जो ऐसी गलत परम्पराओं वाली दुनिया है।

Student: But will they not bring a bad name (*badnaami*) this way?
Baba: What kind of bad name? Is it a good task to keep the virgins in bondage?
Student: Otherwise, people will think about the parents, “Don’t know where the daughter has gone...

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: What kind of bad name? Have you read the story of Mahabharata? Is it good if someone keeps the virgins [and] mothers in bondage or act like Duryodhan and Dushasan[8]? The traditions of the society have degraded. Virgins should have freedom in their life to choose their husbands, to choose their path.
Student: But people consider even this to be wrong.
Baba: Should we care for the public honour of the world that is going to be burnt to ashes? Should we not see the public honour of the world that is standing in front of us? Should we care for the public honour of the world that is going to be burnt to ashes? That world is going to perish. Tomorrow, the world which follows such wrong traditions will be set on fire.

जिज्ञासुः तो फिर उस बच्ची को क्या समझाए जाके?
बाबाः किस बच्ची को? बच्ची खुद अपने आप समझ जायेगी। होशियार बच्ची होगी तो वो तो किसी के कन्ट्रोल में आएगी नहीं। सिंहनी होगी तो कोई की कन्ट्रोल में आएगी?
जिज्ञासुः बाबा उसको लगन बहुत ज्यादा है।
बाबाः बाबा तो मुरली में कहते हैं कन्याएँ स्वतंत्र होती है।
जिज्ञासुः उसको लगन बहुत ज्यादा है लेकिन उसके जो माँ-बाप है बिल्कुल घर से निकलने नहीं देते है।
बाबाः 18 साल की जो हो जाएगी उसको कहाँ तक बांधा जाएगा? अपना सर्टिफिकेट उठाएगी, कोई माता को पकडेगी चाहे जहाँ चली जाएगी। कोई उसको रोक नहीं सकता।

Student: What should we explain to that girl?
Baba: Which girl? The girl will understand this by herself. If the girl is intelligent she will not come under anybody's control. If she is a lioness, will she come under anybody's control?
Student: Baba, she has a lot of dedication.
Baba: Baba says in the murli, "Virgins are independent".
Student: She has a lot of dedication, but her parents do not allow her to leave the house at all.
Baba: When she becomes 18 years old, how long can she be kept in bondage then? She will pick up her certificate, take any mother along with her and go wherever she wishes; nobody can stop her.

जिज्ञासुः उमंग उत्साह तो देते रहे ना- ऐसा काम करो, बाबा ने मुरली में ऐसे बोला है।
बाबाः बाबा ने क्या बोला है? सारी दुनिया इस बात को जानती है कि 18 साल का बालिग हो जाता है। बालिग को कोई पकड कर रख नहीं सकता है बांध करके। एक एप्लिकेशन दे दें तो सरकार को हरकत में आना पडता है कि हमको बांध करके रखा हुआ है, किडनैप करके रखा हुआ है। हर एक को स्वतंत्र जीवन जीने का अधिकार है। ये मौलिक अधिकार है। फण्डामेन्टल राईट्स है। और यहाँ तो बाबा सहयोग देने के लिए बैठा हुआ है।

Student: We should give her zeal and enthusiasm, shouldn't we [by telling her:] "Do like this. Baba has said this in the murli".
Baba: It is not just Baba who has said this. The entire world knows that when someone becomes 18 years old, becomes an adult, nobody can keep her in bondage. If she gives [just] one

---

[8] Villainous characters in the epic Mahabharata

application [saying:] “I have been kept in bondage, I have been kidnapped”, then the government has to take action. Everyone has the right to lead an independent life. This is a fundamental right. These are *fundamental rights*. Moreover, here Baba is sitting to help them.

जिज्ञासुः नहीं मान लो ऐसी कन्या सरेण्डर हो गई, अपने माँ-बाप के पर्मिशन के बिना सरेण्डर कर देंगे?

बाबाः माँ-बाप क्या करेंगे जब 18 साल की है तो? 18 साल का अपने पैरों खडा हो सकता है। ये तो कन्या के ऊपर है बाबा भी इसमें कुछ नहीं कर सकते है। कन्या को अंदर ये गट्स (guts) होने चाहिए सिंहनी शक्ति बनने के, शिव शक्ति बनने के।

जिज्ञासुः साईन का चक्कर है ना, घर वालों के साईन चाहिये.

बाबाः 18 साल के ऊपर के का कोई साईन की जरूरत नहीं है। अगर माँ-बाप साईन देते है तो अच्छा है, सहयोगी बनते है तो अच्छा है। नहीं बनते है सहयोगी तो कोई दरकार नहीं।

Student: No, suppose such a virgin comes to surrender, will she be allowed to surrender herself without the permission of her parents
Baba: If she is 18 years old, what will the parents do? An 18 year old can stand on her feet (be self dependent). This depends on the virgin, even Baba cannot do anything in this. The virgin should have the *guts* in herself to become a lioness *shakti,* a *shivshakti*[9].
Student: There is a problem of sign, isn’t there? The sign of the members of the family is required.
Baba: If she is above 18 years, sign (of the family members) is not required. If the parents give their sign, it is good; if they become helpful, it is good. If they do not become helpful, then there is no need for it.

जिज्ञासुः ये पॉईंट क्लियर कर दें?

बाबाः हाँ, बिल्कुल क्लियर करना चाहिए। नहीं तो बाबा ने मुरली में क्यों कहा कन्यायें स्वतंत्र होती है?

जिज्ञासुः तो बाबा ऐसा करें ना उसे थोडा समझा करके बता करके..

बाबाः इन सब बातों में हमें ज्यादा चिंतन करने की जरूरत नहीं है। जिसके अंदर पूर्व जन्मों के संस्कार होंगे उस आत्माओं को कोई रोक नहीं सकेगा।

जिज्ञासुः बेसिक में जाती थी बाबा पहले।

बाबाः हाँ, जी।

जिज्ञासुः फिर यहाँ पर आई तो उसको थोड़ा बताया तो उसको बहुत अच्छा लगा। अभी उसको कुछ किताबें दी हैं पढने के लिए। घर में पढ रही है।

बाबाः कोई बात नहीं।

Student: Should we make this point clear?
Baba: Yes, it should certainly be made clear. Otherwise why did Baba say in the murlis that virgins are independent?

---

[9] Consort of Shiva

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Student: Baba, can we do this way, we will explain to her and then….
Baba: There is no need for us to think more on these subjects. Such soul who has the *sanskars* of the previous birth, cannot be stopped by anyone (from coming).
Student: Baba she used to go to the basic (centers) earlier.
Baba: Yes.
Student: Then, when she came here and when we told her a little she liked it very much. Now we have given her some books to read. She reads them at home.
Baba: No problem.

समयः 21.45-23.05

जिज्ञासुः बाबा एक मुरली में आया था, एक माता न□क्वश्चन किया था कि हनूमान न□सूर्य को मुँह में निगल लिया था। इसका बहद में क्या अर्थ होगा?
बाबाः यज्ञ की आदि में; ब्रह्मा बाबा वाली आत्मा हनूमान है या नहीं? पहल□य□पक्का करो। अगर ब्रह्मा बाबा वाली आत्मा हनूमान है तो यज्ञ की आदि में ज्ञान सूर्य प्रजापिता को हप किसन□ किया? ब्रह्मा बाबा न□हप कर लिया। तब स□लकर क□ 76 तक चारो तरफ अंधियारा ही अंधियारा रहा । 76 में फिर ज्ञान सूर्य उदय हो गया। ज्ञान सूर्य प्रग□ा अज्ञान अंधर विनाश। वो बाल समय रवि भक्ष लियो। उस समय पूरा ज्ञान था या अधूरा ज्ञान था? अधूरा ज्ञान था। तो बाल समय था। मान□सूर्य तो था लकिन बचपन□में था। उदय हुआ था। दवन आन करै विनती तब छाण दियो रवि कष□ निवारो। क्या-क्या बातें बना दी है।

Time: 21.45-23.05
Student: Baba, it was mentioned in a murli; a mother had raised a question that Hanuman had gobbled up the Sun. What does it mean in an unlimited sense?
Baba: In the beginning of the *yagya*; first you decide firmly whether the soul of Brahma Baba is Hanuman or not? If the soul of Brahma Baba is Hanuman, then, in the beginning of the *yagya*, who gobbled up the Sun of knowledge Prajapita? Brahma Baba gobbled him up. From that time up to 1976, there was only darkness everywhere. The Sun of knowledge rose once again in 1976. As soon as the Sun of knowledge emerged, the darkness of ignorance vanished. *“Baal samay ravi bhaksha liyo”* (He gobbled up the Sun when he was a child). Was there the complete knowledge or the incomplete knowledge at that time? There was incomplete knowledge. So, it was the time of his childhood (*baal samay*). It means that he was indeed the Sun (of knowledge), but he was in his childhood. He had [just] risen. “*Devan aani karein vinatee tab chhan diyo ravi kasht nivaron”* (When the deities came and requested him; then he freed the Sun from his troubles). What stories they have made up (in the scriptures)!

समयः 23.10-24.58

जिज्ञासुः और बाबा घर में य□पितर लोग मानत□हैं। पितर होत□हैं। इन सबको मानना चाहिए क्या?
बाबाः आत्मा शरीर छोडन□क□ बाद तुरंत जन्म ल□लती है तो पितर कहाँ स□आ गए? हाँ, सिर्फ □□-घं□ है, मान्यता चली आ रही है। (जिज्ञासु - उनको मानना चाहिए बाबा?) मानना चाहिए? जो चीज है ही नहीं तो उसको मानन□की दरकार है? मानो तो पथर को मानोगा□
जिज्ञासुः बाबा जन्म ल□लती है फिर वैस□सपन□में कैस□आती है?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबाः भूत-प्रेत नहीं आते है क्या? भूत-प्रेत शरीर में नहीं आते हैं क्या? (किसी ने कहा- आते हैं।) फिर? तुम किसी को मानो बैठ कर, मनौती करो, उसमें भूत-प्रेत प्रवेश जाएगा, वो कहेंगे भगवान आ गया, देवीजी आ गयी। अभी अंधश्रद्धा वालों को क्या कहा जाए?

जिज्ञासुः नहीं जन्म ले लिया फिर उसको कैसे याद है...?

बाबाः क्या याद है?

जिज्ञासुः वो आती है कुछ बताती है तो याद है तभी तो आती है।

Time: 23.10-24.58
Student: And Baba, people at home believe in *pitar* (spirits of ancestors). They say, *pitar* exist; should we believe in all these things?
Baba: A soul is born immediately after leaving the body; so, from where did the *pitars* come? Yes, it is just a ritual. A belief is prevalent. Student: Should we believe in that Baba?) Should we believe it? Is there any need to believe in something which does not exist at all? If you wish to believe, you can believe even stones (to be God).
Student: Baba, if it is born again, then how does it appear in dreams?
Baba: Don't ghosts and spirits enter (in people)? Don't ghosts and spirits enter into bodies? (Student: They enter.) Then? [Suppose] you believe in someone, if you praise him, a ghost or spirit enters him and you will say, "God has come, *deviji* has come". Well, what can you explain to those who have blind faith?
Student: No, when it has been born, how does it remember…?
Baba: What does it remember?
Student: It comes, it says something; so, it comes only because it remembers (its past birth).

बाबाः श्रद्धा-विश्वास-भावना ऐसी है कि कोई हनूमान को मानता है तो उसको हनूमान का वरदान जैसा अनुभव हो जाता है।

जिज्ञासुः मै तो नहीं मानती बाबा इन चीज़ों को।

बाबाः जो नहीं मानते उनके लिए नहीं है। हनूमान को मानते हैं उनको हनूमान का साक्षात्कार हो जाता है, गणेश को मानते हैं उनको गणेश का साक्षात्कार हो जाता है, देवी को मानते हैं उनको देवी का साक्षात्कार हो जाता है तो क्या देवी होती है? (किसीने कहा- नहीं।) आजकल की दुनिया में देवी-देवताएँ आए कहाँ से? सब तो राक्षस बने पड़े हैं। कोई तो ऐसा है नहीं जो संकल्पों से दूसरों को दुःख न देता हो। तो देवता कहाँ हुआ? (किसी ने कहा- अगर देवी देवताओं में सच्चाई हो तो चोरी क्यों होती है मंदिरों में से देवी देवता?) हाँ, भगवान को ही उठा के ले जाते हैं।

Baba: Veneration, faith and feeling are such a thing that if someone believes in Hanuman he feels as if Hanuman has given him a boon.
Student: I don't believe in these things Baba.
Baba: They (*pitar*) do not exist for those who don't believe it. Those who believe in Hanuman have the visions of Hanuman. Those who believe in Ganesh have the visions of Ganesh. Those who believe in *devis* (female goddess), they have the visions of *devi*; so, does *devi* exist (at that time)? (Someone said: No.) How did the deities come in today's world? Everyone has become a demon. There is nobody like this who does not give sorrow to others through the thoughts. So,

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

how can he be a deity? (Someone said: Had deities existed, then why the [idols of] deities would be stolen from temples?) Yes, they take away the (idol of) God Himself.

समयः 25.01-29.15

जिज्ञासुः औरतें विधवा होती हैं इसका क्या राज़ है?

बाबाः औरतें विधवा होती हैं? जब पाप कर्म बढते हैं तो सब उल्टे-2 काम होते हैं। सतयुग, त्रेता में थोड़े ही विधवा होती हैं।

जिज्ञासुः नहीं उस समय तो नहीं होती हैं लेकिन अभी ज्ञान में संगमयुग में इसका क्या रहस्य है?

बाबाः ज्ञान में, संगमयुग में? संगमयुग में क्या पूरा ज्ञान धारण करते हैं? ज्ञान धारण करने के बाद और 100 गुणा पाप का बोझा चढाते हैं सो?

दूसरा जिज्ञासुः नहीं, कहने का मतलब ये है कि ज्यादातर जेन्ट्स लोग बाहर रहते हैं उन लोगों का ही एक्सिडेन्ट वगैरह ज्यादा होता तो लेडीज़ है तो अपने आप ही फिर विडो हो ही जाती है। तो ज्यादातर ऐसे क्यों होता है?

बाबाः अरे, बाहर की दुनिया है उसमें एक्सिडेन्ट ज्यादा होते हैं। अंदर रहने वालों के एक्सिडेन्ट कम होंगे।

जिज्ञासुः नहीं, विधवा होने का राज है कि बाप से दूर हो जाते हैं, विमुख हो जाते हैं ... इसलिए?

बाबाः दूर होने की भली चलाई, जब पाप कर्म करेंगे तो दूर तो होते ही जाएंगे। उनकी बात तो छोडो, ब्रह्मा बाबा का हार्ट फेल हो गया सो? वो तो बाप के बिलकुल नज़दीक थे। उनका कैसे हार्ट फेल हो गया? ये भी तो अकाले मौत हुई ना।

Time: 25.01-29.15

Student: What is the secret behind women becoming widows?

Baba: Women become widows. When the sinful actions increase, all opposite things take place. They do not become widows in the Golden Age and the Silver Age.

Student: No, they do not become [widow] at that time, but now, in knowledge, what is its secret in the Confluence Age?

Baba: In knowledge, in the Confluence Age? Do they assimilate the complete knowledge in the Confluence Age? What about the 100 times sins that they accumulate after assimilating knowledge?

Another Student: No, what she means to say is, generally the gents remain outdoors, hence, they become victims of accidents, etc. more, so the ladies become widows automatically. So, mostly, why does it happen like this?

Baba: Arey, more accidents take place in the outside world; those who live inside will suffer fewer accidents.

Student: No, they go away from the Father, they turn their face away from the Father … - is this the secret of becoming a widow?

Baba: Although they go away; when they perform sinful actions, they will definitely keep on going away (from the Father). Leave their topic; what about the heart failure that Brahma Baba suffered? He was very close to the Father. How he have a heart failure? This was also an untimely death, was it not?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासुः वो ड्रामा कहलाएगा बाबा?
बाबाः ड्रामा नहीं कहलाएगा। जैस□मुरली में बोला है शादी बरबादी; मुरली में तो बाबा न□कहा है शादी करेंग□माना बरबाद हो गए। (किसी न□कहा- नहीं जैस□ब्रह्मा....) सुनो तो। अब मुरली में तो सब क□ लिए बोल दिया शादी बरबादी, अब ब्रह्मा बाबा क□ पास कोई बच्चा पहुँच गया- बाबा बड़ी परश□ानी है, बूढी माँ है, बूढ□बाप हैं और वो खाना नहीं बना पात□हैं, और शादी हमको करनी ही पड□गी, बहुत तकलीफ हो रही है। बाबा का दिल, जैस□अम्मा का दिल होता है, घड़ी-2 पानी-2 हो जाता है वैस□उनका दिल पानी-2 हो गया। अच्छा शादी कर लो, पवित्र रहना। अब ऐस□होता है क्या, शादी कर ल□और पवित्र रह□ श्रीमत की बरखिलाफी हो गई। तो 100 गुणा बोझ (सभी- चढ़ गया।) ऐस□जान□कितन□बोझ चढत□रह□ बाबा न□मकान बनान□क□ लिए मना कर दिया। मुरली में तो मना कर दिया प्रॉपर्□ी नहीं बनानी है। ब्रह्मा बाबा स□जाकर पूछा- बहुत तकलीफ हो रही है, मकान क□ बिना , आपका तो चल जाता है, हमार□पास तो बैठन□क□ लिए भी जगह नहीं है। □पा, □प गिरता है, य□वो....। बाबा का दिल द्रवित हो गया। अच्छा बच्च□मकान बना लो, एक कमरा गीता पाठशाला क□ लिए छोड द□ा। ऐस□2 100 गुणा पाप जान□कितन□चढत□रह□ अर□ बाबा की बातों की बरखिलाफी बिल्कुल नहीं करनी चाहिए। जो बात मुरली में बोली वो पत्थर की लकीर बोली। मुरली में बोला कर्ज मर्ज कहा जाता है, बच्चों को कर्ज नहीं ल□ा है। बाबा क□ सामन□कोई बच्चा आ गया- बहुत परश□ानी है। बाबा न□परमीशन द□दिए अच्छा ल□लो कर्ज।

Student: Will that be called drama Baba?
Baba: It will not be called drama. For example, it has been said in the murli that marriage means ruination; Baba has said in the murlis, if you marry, it means that you have been ruined. (Someone said: No, just like Brahma…) Just listen. Well, it was said in the murli for everyone that marriage means ruination; now, a child came to Brahma Baba [and started saying:] "Baba, there is a lot of trouble (at home); my parents are old, they are unable to cook and I will have to get married; I am facing a lot of troubles"; so, Baba's heart; just like a mother's heart melts every now and then; similarly his heart used to melt; [and He said:] "OK, you can marry, but lead a pure life". Now, does it happen that someone gets married and remains pure? So, he went against *shrimat* so, [he accumulated] 100 times burden; no one knows how many sins he accumulated in this manner. Baba has prohibited us from building houses. It has been prohibited in the murlis: "You must not accumulate property". [Some child] went and asked Brahma Baba, "I am facing a lot of problems without a house. You can manage [with your home]; I do not even have space to sit, [the roof] leaks, this and that…". Baba's heart used to melt [and he said:] "OK, child, build a home; spare a room for the *gitapathshala*". No one knows how many 100 times sins he continued to accumulate in this way. Arey, you should never act against Baba's versions. The versions that are spoken in the murli are like lines drawn on a stone. It has been said in the murli, "Loan is called a disease. Children should not take a loan". A child came in front of Baba [and started saying:] "I am facing a lot of problems". Baba gave him the permission, "OK, you may take a loan".

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासु: बाबा, एडवांस लेकर के तो कोई ऐसे कुमार नहीं होगा जो ये कहेगा अपने साकार बाबा से आकार के कि बाबा मैं शादी कर लूंगा।

बाबा: तो बाबा किसीको परमिशन दिया आज तक क्या? (जिज्ञासु – नहीं ऐसे आते ही नहीं होंगे।) नहीं, आने को क्या? आते हैं, रोज पूछते रहते हैं। तो बाबा उनको परमिशन दे दें अपने ऊपर पाप ले लें क्या उनका? (किसी ने कहा- नहीं) फिर?

(जिज्ञासु ने कुछ कहा।) क्या?

जिज्ञासु: परमिशन लेने के लिए, शादी।

बाबा: शादी करनेवाले?

जिज्ञासु: एडवांस में तो नहीं आयेंगे।

बाबा: एडवांस में नहीं है? ढ़ेर के ढ़ेर पूछते रहते हैं।

Student: Baba, there must not be any kumar, who, after obtaining the advance knowledge, comes and tells the corporeal Baba, " I want to get married".
Baba: So, did Baba give permission to anyone so far? (Student: No, no one must have come at all.) No, what about coming, they do come, they keep asking every day. So, should Baba give them permission and take their sins on himself? (Someone said: No.) Then? (Student said something.) What?
Student: To obtain permission for marriage.
Baba: Those who get married?
Student: Yes, they will not come in the advance (knowledge).
Baba: Are there not [such ones] in the advance (knowledge)? There are numerous children who keep asking.

समयः 31.41-33.20

जिज्ञासु: बाबा मुरली में आया है बाप धोबी है। तो धोबी का कुत्ता घर का न घाट का। ये बेहद में कैसे है?

बाबा: तो कहाँ है घर का? कौन सा घर है जिसका वो है? उसका कोई घर है? वो तो बेघर है। भगवान इस सृष्टि पर आया बेघर बनकर आया या घरबार बना कर आया? माउंट आबू में घर है? जगह मिल रही है कही? तीन पैर पृथ्वी मिल रही है? (किसी ने कहा- नहीं।) फिर? काहे का घर? ये घर है? दिल्ली में और अहमदाबाद में भी जहाँ-2 भी जमावडा डाला, गीता पाठशाला खोली थोडे ही दिन के बाद तथाकथित ब्रह्माकुमार-कुमारियों को पता लग जाता है। बस आक्रमण के ऊपर आक्रमण होना शुरू। वो तो हाथ जोड देते हैं बस इतनी ही हमारी ताकत है। अब आप दूसरी जगह अपना काम चलाईए। अभी जितने मिनी मधुबन बने हुए है उनमें से कोई ऐसी जगह है जहाँ एक जगह स्थाई हो करके काम शुरू किया जा सके? बाप एक जगह रह सकें ऐसी स्थिति है? नहीं। तो काहे का घरबार वाला?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Time: 31.41-33.20
Student: Baba, it has been mentioned in the murli that the Father is a *dhobi* (washer man). So, [there is a saying:] a washer man's dog belongs neither to the home nor to laundry. How is this applicable in an unlimited sense?
Baba: So, does he belong to the home? Which home does he belong to? Does he have any home? He is homeless (*beghar*). When God came to this world, did He come homeless or did he come after making a home? Does He have His home in Mount Abu? Is He getting place anywhere? Is He getting three square feet of land? (Someone said: No.) Then? Is it a home? Is this His home? Wherever He settled, wherever he opened a *gitapathshala,* whether in Delhi or in Ahmedabad; a few days later the so-called Brahmakumar-kumaris come to know of it. That's all; they start attacking continuously. So, they fold their hands (in despair) [and say:] "We can do only this much. Now go and continue your task somewhere else". Among all the *minimadhubans* that are built now, is there any place where He can live and start His work permanently? Is the situation such that the Father can live at one place? No. So, does he have a home?

समयः 35.51-36.17

जिज्ञासुः बाबा, जितने भी देवियों के मन्दिरों में जाते हैं सब गुफाओं में क्यों हैं?

बाबाः गुप्त पुरुषार्थी हैं। गुफा माना गुप्त। गुफा में अंधेरा रहता है (या) उजाला रहता है? हैं? (सभी – अंधेरा।) अंधेरा रहता है। अंधेरे में कुछ पता ही नहीं चलेगा क्या हो रहा है।

Time: 35.51-36.17
Student: Baba, why are all the temples of *devis* located in caves?
Baba: It is because they are hidden *purusharthis* (those who make spiritual effort). Cave means hidden. Is there darkness or light in a cave? (Everyone said: Darkness.) There is darkness. No one will come to know what is going on in darkness.

………………………………………………………………………………………………
Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info